भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 235

27 नवंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम

†235. श्री मुरसोली एस. :

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केंद्र सरकार के राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम की स्थिति तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य को जिला-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है तथा तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का तंजावुर निर्वाचन क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्यक्रम (एसएसटीपी) के अंतर्गत, तमिलनाडु राज्य सहित 28 राज्य/संघराज्य क्षेत्र (यूटी) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों के एसएंडटी सचिवालय को बजटीय सहायता के माध्यम से केंद्र-राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) सहकारिता को पोषित करता है, ताकि एसटीआई पारितंत्र के छह घटकों के तहत सर्वांगी बेहतरकारी उपायों के माध्यम से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष (एसटीआई) पारितंत्र को उत्प्रेरित किया जा सके। इन घटकों में अनुसंधान एवं विकास; संस्थागत एवं मानव क्षमतावर्धन; नवोन्मेष; सामाजिक-आर्थिक विकासक प्रौद्योगिकी परिनियोजन; विज्ञान संचार एवं लोकप्रियकरण तथा राज्य नीतियां शामिल हैं।यह कार्यक्रम तमिलनाडु राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीएनएससीएसटी) सहित राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषदों में स्थापित पेटेंट सूचना केंद्रों (पीआईसी) को भी बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी गतिविधियों के सुकरण हेतु सहायता प्रदान करता है।

(ख) एसएसटीपी के तहत, जिला विशिष्ट धनराशि का आवंटन नहीं किया जाता है। पिछले 2 वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान एसएसटीपी के तहत टीएनएससीएसटी को स्वीकृत धनराशि का विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

क्र. सं.	वित्त वर्ष	स्वीकृत धनराशि (रुपये लाख में)		
		टीएनएससीएसटी के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिवालय को सहायता	पीआईसी, टीएनएससीएसटी	कुल
1	2022-23	93.99	54.25	**148.24**
2	2023-24	92.49	--	**92.49**
3	2024-25 (21.11.2024 तक)	106.24	--	**106.24**
कुल		**292.72**	**54.25**	**346.97**

(ग) से (घ): विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने अनुसंधान एवं विकास अवसंरचना सुदृढ़ीकरण हेतु एसएएसटीआरए (सस्त्र) विश्वविद्यालय, तंजावुर को 658.86 लाख रुपये तथा राजकीय महिला महाविद्यालय, कुंबकोणम, तंजावुर को 30.17 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। इसके अतिरिक्त, मोटे अनाज पर केंद्रित अनुसंधान एवं विकास के लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान, तंजावुर (एनआई एफटीईएम-टी) को 86.95 लाख रुपये प्रदान किए गए।इसके अलावा, डीएसटी ने चालू वित्त वर्ष में तंजावुर जिले सहित पूरे तमिलनाडु के स्कूलों और कॉलेजों में राष्ट्रीय गणित दिवस और राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए टीएनएससीएसटी को 20.00 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने तंजावुर जिले के संस्थानों में जैव प्रौद्योगिकी सूचना प्रणाली नेटवर्क, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी, पशुधन, पशु और पादप जैव प्रौद्योगिकी तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य, खाद्य और पोषण जैसे क्षेत्रों में 896.01 लाख रुपये की 6 परियोजनाओं का निधियन किया।इसके अतिरिक्त, डीबीटी ने अपनी स्टार कॉलेज योजना के तहत तंजावुर जिले में दो कॉलेजों अर्थात् बॉन सेकॉर्स महिला कॉलेज और ए. वीरिया वंदयार मेमोरियल श्री पुष्पम कॉलेज (स्वायत्त) को 249.62 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं।

*****